01 june 2021 satta express.pdf

आर.एन.आई.नं.- UPHIN/2009/44666

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

सत्ता एक्सप्रेस

डी.ए.वी.पी नई दिल्ली एवं राज्य सरकार द्वारा विज्ञापन मान्यता प्राप्त

वर्ष : 12 अंक : 227 कानपुर देहात,मंगलवार 01 जून 2021 Email: sattaexpress@rediffmail.com

1 जून 2021 को 21वां विश्व दुग्ध दिवस विशेषांक

स्वच्छ दुग्ध उत्पादन आज की आवश्यकता–डॉ सी.के. राय

दैनिक सत्ता एक्सप्रेस

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ डी.आर. सिंह के निर्देश के क्रम में विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर दलीप नगर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के पशुपालन वैज्ञानिक डॉक्टर सीके राय ने दुग्ध व्यवसाय से जुड़े सभी पशुपालको को संदेश दिया है। कि पूरे विश्व का भारत अकेले 22फीसदी दूध उत्पादन करता है। उन्होंने बताया कि हमारे देश में 300 मिलियन पशु संख्या के साथ लगभग 209 मिलियन टन वार्षिक दूध का उत्पादन करके हमारा देश विश्व में प्रथम स्थान पर है। उन्होंने बताया कि हमारे देश में उत्पादित दूध की गुणवत्ता अन्य विकासशील देशों की तुलना में कम होने के कारण विदेशी बाजारों में हमारे देश में बने दुग्ध पदार्थों की कीमत कम लगाई जाती है। इसलिए आज 21वें विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर जरूरी है कि स्वच्छ दुग्ध उत्पादन पर जुड़े बिंदुओं पर चर्चा की जाए। उन्होंने बताया कि इस वर्ष विश्व दुग्ध दिवस की थीम पर्यावरण, पोषण और सामाजिक–आर्थिक सशक्तिकरण के साथ–साथ डेयरी क्षेत्र में स्थिरता पर केंद्रित है। उन्होंने बताया की स्वच्छ दुग्ध उत्पादन के लिए दूध दुहने वाला व्यक्ति स्वस्थ एवं संक्रामक रोग मुक्त होना चाहिए। साथ साथ ही दूध दुहने के समय तंबाकू, सिगरेट, बीड़ी, पान इत्यादि का सेवन न किया जाए। उन्होंने बताया कि दूध दुहने के पहले पशुओं के थनों को पानी से साफ अच्छी प्रकार से कर ले, तथा दूध दूहते समय मक्खी, मच्छर दूध में न गिरने पाये एवं पशुओं को दूध दूहने के पहले ही चारा पानी पिला पिला दिया जाए। उन्होंने बताया कि साफ व स्वच्छ दूध उत्पादन के लिए कई कारक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। जैसे कि साफ वातावरण, साफ पशुशाला,दुग्ध शाला, पशु स्वास्थ्य तथा उसकी साफ–सफाई दुग्ध उत्पादन में उपयोग होने वाले बर्तन तथा दूध धोने की विधि इत्यादि महत्वपूर्ण है। 21 मई विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ डी आर सिंह ने अपने संदेश में कहा है कि स्वच्छ दुग्ध उत्पादन से ही दूध पीने वाला भी स्वस्थ रहेगा।डॉ सिंह ने कहा कि दूध में प्रोटीन,कैल्शियम और राइबोफ्लेविन युक्त होता है।इसके

अलावा इसमें विटामिन ए, डी,ई, और के सहित फॉस्फोरस, मैग्नीशियम, आयोडीन, व कई खनिज तथा ऊर्जा होती है।इसके अलावा इसमें एंजाइम्स भी होते हैं इसीलिए दूध को पूर्ण आहार भी कहा जाता है।निदेशक प्रसार एवं समन्वयक डॉ एके सिंह ने बताया कि 1 जून 2021 को 21वें विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के अधीन संचालित सभी 14 कृषि विज्ञान केंद्रो द्वारा ऑनलाइन कार्यशाला आयोजित की जाएगी। जिससे स्वच्छ दुग्ध उत्पादन के साथ ही पशु पालकों की आर्थिक सशक्तिकरन हो सके साथ ही पर्यावरण हितैषी हो।

लखनऊ संस्करण
वर्ष-05, अंक -216
मंगलवार, 01 जून, 2021
पृष्ठ 12
मूल्य 3 रु"
लखनऊ, नोएडा, झांसी और फतेहपुर से प्रकाशित

दैनिक भास्कर

देश का सबसे विश्वसनीय अखबार

For epaper → www.updainikbhaskar.com

06

209 मिलियन टन वार्षिक दूध का उत्पादन कर हमारा देश विश्व में प्रथम स्थान पर:डॉ. राय

21वें विश्व दुग्ध दिवस पर विवि में होगी ऑनलाइन कार्यशाला आयोजित

भास्कर न्यूज

कानपुर। सीएसए के कुलपति के निर्देश के क्रम में विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर दलीप नगर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के पशुपालन वैज्ञानिक डॉ. सीके राय ने दुग्ध व्यवसाय से जुड़े सभी पशुपालकों को संदेश दिया है। कि पूरे विश्व का भारत अकेले 22 फिसदी दूध उत्पादन करता है। उन्होंने बताया कि हमारे देश में 300 मिलियन पशु संख्या के साथ लगभग 209 मिलियन टन वार्षिक दूध का उत्पादन करके हमारा देश विश्व में प्रथम स्थान पर है। उन्होंने बताया कि हमारे देश में उत्पादित दूध की गुणवत्ता अन्य विकासशील देशों की तुलना में कम होने के कारण विदेशी

बाजारों में हमारे देश में बने दुग्ध पदार्थों की कीमत कम लगाई जाती है। इसलिए आज 21वें विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर जरूरी है कि स्वच्छ दुग्ध उत्पादन पर जुड़े बिंदुओं पर चर्चा की जाए। उन्होंने बताया कि इस वर्ष विश्व दुग्ध दिवस की थीम पर्यावरण, पोषण और सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण के साथ-साथ डेयरी क्षेत्र में स्थिरता पर केंद्रित है। उन्होंने बताया की स्वच्छ दुग्ध उत्पादन के लिए दूध दुहने वाला व्यक्ति स्वस्थ एवं संक्रामक रोग मुक्त होना चाहिए। साथ साथ ही दूध दुहने के समय तंबाकू, सिगरेट, बीड़ी, पान इत्यादि का सेवन न किया जाए। उन्होंने बताया कि दूध दुहने के पहले पशुओं के थनों को पानी से साफ अच्छी प्रकार से कर ले, तथा दूध दुहते समय मक्खी, मच्छर दूध में न गिरने पाये एवं पशुओं को दूध दुहने के पहले ही चारा पानी मिला दिया जाए। उन्होंने बताया कि साफ व स्वच्छ दूध उत्पादन के लिए कई कारक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जैसे कि साफ वातावरण, साफ पशुशाला,दुग्ध शाला, पशु स्वास्थ्य तथा उसकी साफ-सफाई दुग्ध उत्पादन में उपयोग होने वाले बर्तन तथा दूध धोने की विधि इत्यादि महत्वपूर्ण है। 21 मई विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ डी आर सिंह ने अपने संदेश में कहा है कि स्वच्छ दुग्ध उत्पादन से ही दूध पीने वाला भी स्वस्थ रहेगा।डॉ सिंह ने कहा कि दूध में प्रोटीन,कैल्शियम और राइबोफ्लेविन युक्त होता है इसके अलावा इसमें विटामिन ए, डी,ई, और के सहित फॉस्फोरस, मैग्नीशियम, आयोडीन, व कई खनिज तथा ऊर्जा होती है।इसके अलावा इसमें एंजाइम्स भी होते है इसीलिए दूध को पूर्ण आहार भी कहा जाता है। निदेशक प्रसार एवं समन्वयक डॉ एके सिंह ने बताया कि 1 जून को 21वें विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के अधीन संचालित सभी 14 कृषि विज्ञान केंद्रों द्वारा ऑनलाइन कार्यशाला आयोजित की जाएगी। जिससे स्वच्छ दुग्ध उत्पादन के साथ ही पशु पालकों की आर्थिक सशक्तिकरण हो सके साथ ही पर्यावरण हितैषी हो।

21वें विश्व दुग्ध दिवस पर विवि में आज होगी ऑनलाइन कार्यशाला आयोजित

01/06/2021राष्ट्रीय स्वरूप

209 मिलियन टन वार्षिक दूध का उत्पादन कर हमारा देश विश्व में प्रथम स्थान पर: डॉ. राय

कानपुर। सीएसए के कुलपति के निर्देश के क्रम में विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर दलीप नगर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के पशुपालन वैज्ञानिक डॉ. सीके राय ने दुग्ध व्यवसाय से जुड़े सभी पशुपालकों को संदेश दिया है। कि पूरे विश्व का भारत अकेले 22% दूध उत्पादन करता है। उन्होंने बताया कि हमारे देश में 300 मिलियन पशु संख्या के साथ लगभग 209 मिलियन टन वार्षिक दूध का उत्पादन करके हमारा देश विश्व में प्रथम स्थान पर है। उन्होंने बताया कि हमारे देश में उत्पादित दूध की गुणवत्ता अन्य विकासशील देशों की तुलना में कम होने के कारण विदेशी बाजारों में हमारे देश में बने दुग्ध पदार्थों की कीमत कम लगाई जाती है। इसलिए आज 21वे विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर जरूरी है कि स्वच्छ दुग्ध उत्पादन पर जुड़े बिंदुओं पर चर्चा की जाए। उन्होंने बताया कि इस वर्ष विश्व दुग्ध दिवस की थीम पर्यावरण, पोषण और सामाजिक-

आर्थिक सशक्तिकरण के साथ-साथ डेयरी क्षेत्र में स्थिरता पर केंद्रित है। उन्होंने बताया की स्वच्छ दुग्ध उत्पादन के लिए दूध दुहने वाला व्यक्ति स्वस्थ एवं संक्रामक रोग मुक्त होना चाहिए। साथ साथ ही दूध दुहने के समय तंबाकू, सिगरेट, बीड़ी, पान इत्यादि का सेवन न किया जाए। उन्होंने बताया कि दूध दुहने के पहले पशुओं के थनों को पानी से साफ अच्छी प्रकार से कर ले, तथा दूध दुहते समय मक्खी, मच्छर दूध में न गिरने पाये एवं पशुओं को दूध दुहने के पहले ही चारा पानी पिला पिला दिया जाए। उन्होंने बताया कि साफ व स्वच्छ दूध उत्पादन के लिए कई कारक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जैसे कि साफ वातावरण, साफ पशुशाला,दुग्ध शाला, पशु स्वास्थ्य तथा उसकी साफ-सफाई दुग्ध उत्पादन में उपयोग होने वाले बर्तन तथा दूध धोने की विधि इत्यादि महत्वपूर्ण है। 21 मई विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ डी आर सिंह ने अपने संदेश में कहा है कि स्वच्छ दुग्ध उत्पादन से ही दूध पीने वाला भी स्वस्थ रहेगा।डॉ सिंह ने कहा कि दूध में प्रोटीन,कैल्शियम और राइबोफ्लेविन युक्त होता है।इसके अलावा इसमें विटामिन ए, डी,ई, और के सहित फॉस्फोरस,मैग्नीशियम, आयोडीन, व कई खनिज तथा ऊर्जा होती है।इसके अलावा इसमें एंजाइम्स भी होते हैं इसीलिए दूध को पूर्ण आहार भी कहा जाता है।निदेशक प्रसार एवं समन्वयक डॉ एके सिंह ने बताया कि 1 जून को 21वें विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के अधीन संचालित सभी 14 कृषि विज्ञान केंद्रों द्वारा ऑनलाइन कार्यशाला आयोजित की जाएगी। जिससे स्वच्छ दुग्ध उत्पादन के साथ ही पशु पालकों की आर्थिक सशक्तिकरण हो सके साथ ही पर्यावरण हितैषी हो।

WORLD खबर EXPRESS
WORLD खबर एक्सप्रेस
अंक : 245 कानपुर नगर
विश्व तम्बाकू निषेध दिवस
वर्ल्ड ख़बर एक्सप्रेस आपसे 'तम्बाकू छोड़ने' की अपील करता है।
31 मई 2021, सोमवार
MID DAY E-PAPER

21वें विश्व दुग्ध दिवस पर सीएसए के डॉ. सीके राय ने दिए टिप्स-

'स्वच्छ दुग्ध उत्पादन आज की आवश्यकता'

कानपुर। मंगलवार (1 जून) को विश्व दुग्ध दिवस है। इस अवसर पर चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय दिलीप नगर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के पशुपालन वैज्ञानिक डॉ. सीके राय ने दुग्ध व्यवसाय से जुड़े पशुपालकों को टिप्स दिए हैं। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया का भारत अकेले 22 फीदी दूध उत्पादन करता है। देश में 300 मिलियन पशु संख्या के साथ लगभग 209 मिलियन टन वार्षिक दूध का उत्पादन कर हमारा देश विश्व में प्रथम स्थान पर है। उन्होंने बताया कि हमारे देश में उत्पादित दूध की गुणवत्ता अन्य विकासशील देशों की तुलना में कम होने के कारण विदेशी बाजारों में हमारे देश में बने दुग्ध पदार्थों की कीमत कम लगाई जाती है। इसलिए 21वें विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर जरूरी है कि स्वच्छ दुग्ध उत्पादन पर जुड़े बिंदुओं पर चर्चा की जाए। उन्होंने बताया कि इस वर्ष विश्व दुग्ध दिवस की थीम 'पर्यावरण, पोषण और सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण के साथ-साथ डेयरी क्षेत्र में स्थिरता' पर केंद्रित है। स्वच्छ दुग्ध उत्पादन के लिए दूध दुहने वाला व्यक्ति स्वस्थ व संक्रामक रोग मुक्त होना चाहिए। साथ ही दूध दुहने के समय तंबाकू, सिगरेट, बीड़ी, पान इत्यादि का सेवन नहीं करना चाहिए। उन्होंने बताया कि दूध दुहने के पहले पशुओं के थनों को पानी से साफ अच्छी तरह से कर ले तथा दूध दूहते समय मक्खी, मच्छर दूध में न गिरने पाए और पशुओं को दूध दूहने के पहले ही चारा, पानी पिला दिया जाए। साफ व स्वच्छ दूध उत्पादन के लिए कई कारक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जैसे साफ वातावरण, साफ पशुशाला, दुग्धशाला, पशु स्वास्थ्य तथा उसकी साफ-सफाई और दुग्ध उत्पादन में उपयोग होने वाले बर्तन व दूध धोने की विधि। विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. डीआर सिंह ने कहा कि स्वच्छ दुग्ध उत्पादन से ही दूध पीने वाला भी स्वस्थ रहेगा। दूध में प्रोटीन, कैल्शियम और राइबोफ्लेविन होता है। इसके अलावा इसमें विटामिन ए, डी, ई, और के सहित फॉस्फोरस, मैग्नीशियम, आयोडीन व कई खनिज तथा ऊर्जा होती है। इसमें एंजाइम्स भी होते हैं, इसीलिए दूध को पूर्ण आहार भी कहा जाता है। निदेशक प्रसार एवं समन्वयक डॉ. एके सिंह ने बताया कि 1 जून को 21वें विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के अधीन संचालित सभी 14 कृषि विज्ञान केंद्रों की ओर से ऑनलाइन कार्यशाला आयोजित की जाएगी। इसमें स्वच्छ दुग्ध उत्पादन के साथ ही पशु पालकों को आर्थिक सशक्तिकरण बनाने और पर्यावरण हितैषी पर चर्चा की जाएगी।

आज

कानपुर 1 जून 2021 5

सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण के साथ डेयरी पर मंथन

दूध में प्रोटीन, कैल्शियम के अलावा विटामिन ए, डी, ई सहित फॉस्फोरस भी

गाय को गुड़ खिलाते कुलपति डा. डीआर सिंह व अन्य।

कानपुर, 31 मई। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर डी.आर. सिंह के निर्देश के क्रम में विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर दलीप नगर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के पशुपालन वैज्ञानिक डा. सीके राय ने दुग्ध व्यवसाय से जुड़े सभी पशुपालकों को संदेश दिया है। पूरे विश्व का भारत अकेले 22 प्रतिशत दूध उत्पादन करता है। उन्होंने बताया कि हमारे

विश्व दुग्ध दिवस आज

देश में 300 मिलियन पशु संख्या के साथ लगभग 209 मिलियन टन वार्षिक दूध का उत्पादन करके हमारा देश विश्व में प्रथम स्थान पर है। उन्होंने बताया कि हमारे देश में उत्पादित दूध की गुणवत्ता अन्य विकासशील देशों की तुलना में कम होने के कारण विदेशी बाजारों में हमारे देश में बने दुग्ध पदार्थों की कीमत कम लगाई जाती है। इसलिए आज 21वे विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर जरूरी है कि स्वच्छ दुग्ध उत्पादन पर जुड़े बिंदुओं पर चर्चा की जाए। उन्होंने बताया कि इस वर्ष विश्व दुग्ध दिवस की थीम पर्यावरण, पोषण और सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण के साथ-साथ डेयरी क्षेत्र में स्थिरता पर केंद्रित है। उन्होंने बताया कि दूध दुहने के पहले पशुओं के थनों को पानी से साफ अच्छी प्रकार से कर ले, तथा दूध दूहते समय मक्खी, मच्छर दूध में न गिरने पाये एवं पशुओं को दूध दूहने के पहले ही चारा पानी पिला पिला दिया जाए। उन्होंने बताया कि साफ व स्वच्छ दूध उत्पादन के लिए कई कारक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जैसे कि साफ वातावरण, साफ पशुशाला,दुग्ध शाला, पशु स्वास्थ्य तथा उसकी साफ-सफाई दुग्ध उत्पादन में उपयोग होने वाले बर्तन तथा दूध धोने की विधि इत्यादि महत्वपूर्ण है। 21 मई विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ डी आर सिंह ने अपने-संदेश में कहा है कि स्वच्छ दुग्ध उत्पादन से ही दूध पीने वाला भी स्वस्थ रहेगा।डॉ सिंह ने कहा कि दूध में प्रोटीन,कैल्शियम और राइबोफ्लेविन युक्त होता है। इसके अलावा इसमें विटामिन ए, डी,ई, और के सहित फॉस्फोरस, मैग्नीशियम, आयोडीन, व कई खनिज तथा ऊर्जा होती है। इसके अलावा इसमें एंजाइम्स भी होते हैं इसीलिए दूध को पूर्ण आहार भी कहा जाता है। निदेशक प्रसार एवं समन्वयक डॉ एके सिंह ने बताया कि 1 जून 2021 को 21वें विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के अधीन संचालित सभी 14 कृषि विज्ञान केंद्रों द्वारा ऑनलाइन कार्यशाला आयोजित की जाएगी, जिससे स्वच्छ दुग्ध उत्पादन के साथ ही पशु पालकों की आर्थिक सशक्तिकरण हो सके साथ ही पर्यावरण हितैषी हो।

गांव-गांव जागरूकता फैलाकर स्वच्छ दुग्ध उत्पादन बढ़ाने पर जोर

21वें विश्व दुग्ध दिवस पर विवि में आज होगी ऑनलाइन कार्यशाला आयोजित

209 मिलियन टन वार्षिक दूध का उत्पादन कर हमारा देश विश्व में प्रथम स्थान पर : डॉ. राय

भारत कनेक्ट संवाददाता

कानपुर। सीएसए के कुलपति के निर्देश के क्रम में विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर दलीप नगर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के पशुपालन वैज्ञानिक डॉ. सीके राय ने दुग्ध व्यवसाय से जुड़े सभी पशुपालकों को संदेश दिया है। कि पूरे विश्व का भारत अकेले 22% दूध उत्पादन करता है। उन्होंने बताया कि हमारे देश में 300 मिलियन पशु संख्या के साथ लगभग 209 मिलियन टन वार्षिक दूध का उत्पादन करके हमारा देश विश्व में प्रथम स्थान पर है। उन्होंने बताया कि हमारे देश में उत्पादित दूध की गुणवत्ता अन्य विकासशील देशों की तुलना में कम होने के कारण विदेशी बाजारों में हमारे देश में बने दुग्ध पदार्थों की कीमत कम लगाई जाती है। इसलिए आज 21वें विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर जरूरी है कि स्वच्छ दुग्ध उत्पादन पर जुड़े बिंदुओं पर चर्चा की जाए। उन्होंने बताया कि इस वर्ष विश्व दुग्ध दिवस की थीम ःपर्यावरण, पोषण और सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण के साथ-साथ डेयरी क्षेत्र में स्थिरताः पर केंद्रित है। उन्होंने बताया की स्वच्छ दुग्ध उत्पादन के लिए दूध दुहने वाला व्यक्ति स्वस्थ एवं संक्रामक रोग मुक्त होना चाहिए। साथ साथ ही दूध दुहने के समय तंबाकू, सिगरेट, बीड़ी, पान इत्यादि का सेवन न किया जाए। उन्होंने बताया कि दूध दुहने के पहले पशुओं के थनों को पानी से साफ अच्छी प्रकार से कर ले, तथा दूध दूहते समय मक्खी, मच्छर दूध में न गिरने पाये एवं पशुओं को दूध दूहने के पहले ही चारा पानी पिला पिला दिया जाए। उन्होंने बताया कि साफ व स्वच्छ दूध उत्पादन के लिए कई कारक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जैसे कि साफ वातावरण, साफ पशुशाला, दुग्धशाला, पशु स्वास्थ्य तथा उसकी साफ-सफाई दुग्ध उत्पादन में उपयोग होने वाले बर्तन तथा दूध धोने की विधि इत्यादि महत्वपूर्ण है। 21 मई विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ डी आर सिंह ने अपने संदेश में कहा है कि स्वच्छ दुग्ध उत्पादन से ही दूध पीने वाला भी स्वस्थ रहेगा। डॉ सिंह ने कहा कि दूध में प्रोटीन, कैल्शियम और राइबोफ्लेविन युक्त होता है। इसके अलावा इसमें विटामिन ए, डी, ई, और के सहित फॉस्फोरस, मैग्नीशियम, आयोडीन, व कई खनिज तथा ऊर्जा होती है। इसके अलावा इसमें एंजाइम्स भी होते हैं इसीलिए दूध को पूर्ण आहार भी कहा जाता है। निदेशक प्रसार एवं समन्वयक डॉ ए के सिंह ने बताया कि 1 जून को 21वें विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के अधीन संचालित सभी 14 कृषि विज्ञान केंद्रों द्वारा ऑनलाइन कार्यशाला आयोजित की जाएगी।

← News Expert - *1 जून 2021 को 21वां विश्व दु...

News Expert
9 hrs · Facebook for Android

1 जून 2021 को 21वां विश्व दुग्ध दिवस विशेषांक
स्वच्छ दुग्ध उत्पादन आज की आवश्यकता: डॉक्टर सी.के. राय
कानपुर नगर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर डी.आर. सिंह के निर्देश के क्रम में विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर दलीप नगर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के पशुपालन वैज्ञानिक डॉक्टर सीके राय ने दुग्ध व्यवसाय से जुड़े सभी पशुपालकों को संदेश दिया है। कि पूरे विश्व का भारत अकेले 22% दूध उत्पादन करता है। उन्होंने बताया कि हमारे देश में 300 मिलियन पशु संख्या के साथ लगभग 209 मिलियन टन वार्षिक दूध का उत्पादन करके हमारा देश विश्व में प्रथम स्थान पर है। उन्होंने बताया कि हमारे देश में उत्पादित दूध की गुणवत्ता अन्य विकासशील देशों की तुलना में कम होने के कारण विदेशी बाजारों में हमारे देश में बने दुग्ध पदार्थों की कीमत कम लगाई जाती है। इसलिए आज 21वे विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर जरूरी है कि स्वच्छ दुग्ध उत्पादन पर जुड़े बिंदुओं पर चर्चा की जाए। उन्होंने बताया कि इस वर्ष विश्व दुग्ध दिवस की थीम "पर्यावरण, पोषण और सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण के साथ-साथ डेयरी क्षेत्र में स्थिरता" पर केंद्रित है। उन्होंने बताया की स्वच्छ दुग्ध उत्पादन के लिए दूध दुहने वाला व्यक्ति स्वस्थ एवं संक्रामक रोग मुक्त होना चाहिए। साथ साथ ही दूध दुहने के समय तंबाकू, सिगरेट, बीड़ी, पान इत्यादि का सेवन न किया जाए। उन्होंने बताया कि दूध दुहने के पहले पशुओं के थनों को पानी से साफ अच्छी प्रकार से कर ले, तथा दूध दूहते समय मक्खी, मच्छर दूध में न गिरने पाये एवं पशुओं को दूध दूहने के पहले ही चारा पानी पिला पिला दिया जाए। उन्होंने बताया कि साफ व स्वच्छ दूध उत्पादन के लिए कई कारक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जैसे कि साफ वातावरण, साफ पशुशाला,दुग्ध शाला, पशु स्वास्थ्य तथा उसकी साफ-सफाई दुग्ध उत्पादन में उपयोग होने वाले बर्तन तथा दूध धोने की विधि इत्यादि महत्वपूर्ण है। 21 मई विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ डी आर सिंह ने अपने संदेश में कहा है कि स्वच्छ दुग्ध उत्पादन से ही दूध पीने वाला भी स्वस्थ रहेगा।डॉ सिंह ने कहा कि दूध में प्रोटीन,कैल्शियम और राइबोफ्लेविन युक्त होता है।इसके अलावा इसमें विटामिन ए, डी,ई, और के सहित फॉस्फोरस,मैग्नीशियम, आयोडीन, व कई खनिज तथा ऊर्जा होती है।इसके अलावा इसमें एंजाइम्स भी होते हैं इसीलिए दूध को पूर्ण आहार भी कहा जाता है।निदेशक प्रसार एवं समन्वयक डॉ एके सिंह ने बताया कि 1 जून 2021 को 21वें विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के अधीन संचालित सभी 14 कृषि विज्ञान केंद्रों द्वारा ऑनलाइन कार्यशाला आयोजित की जाएगी। जिससे स्वच्छ दुग्ध उत्पादन के साथ ही पशु पालकों की आर्थिक सशक्तिकरण हो सके साथ ही पर्यावरण हितैषी हो। (डॉ खलील खान), मीडिया प्रभारी, चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर।

विश्व दुग्ध दिवस आज साफ-सफाई न रखने से पांच फीसद दूध ऐसा होता है जिसमें बैक्टीरियल लोड बढ़ जाता है

पशु को स्वच्छता से रखें तो दूध भी होगा सुरक्षित

जागरण संवाददाता, कानपुर : शुद्ध दूध की मांग हमेशा से रही है। यह एक ऐसा व्यवसाय है जिससे किसी भी गांव के 50 फीसद से अधिक ग्रामीण जुड़े हैं। जहां दूध का व्यवसाय लगातार बढ़ रहा है वहीं उसमें बैक्टीरिया का लोड भी बढ़ता देखा गया है। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के दिलीप नगर कृषि विज्ञान केंद्र ने इस पर शोध किया है। इसके मुताबिक कम से कम पांच फीसदं दूध में बैक्टीरियां होता है। दुधारू पशु और दूध निकालने वाले की स्वच्छता से दूध को बैक्टीरिया मुक्त रखा जा सकता है।

सीएसए के पशुपालन वैज्ञानिक डॉ. सीके राय● स्वयं

दलीप नगर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के पशुपालन वैज्ञानिक डॉक्टर सीके राय बताते हैं कि आमतौर पर गांव में दूध निकालने का काम सुबह चार बजे से शुरू हो जाता है। अगर दूध निकालने के बाद उसमें गोबर, बाल का टुकड़ा व गंदगी गिर जाए तो बैक्टीरियल लोड बढ़ जाता है। डॉ. राय ने बताया कि दूध निकालने के बाद वह अधिकतम आठ घंटे तक रहता है। उसके बाद वह फटने लगता है। अगर स्वच्छता के मानकों का पालन किया जाए तो यही दूध 12 घंटे सही रह सकता है। उन्होंने बताया कि विश्व में भारत अकेले 22 फीसद दूध का उत्पादन कर नंबर एक पर है। उन्होंने बताया कि हमारे देश में दुधारू पशुओं की संख्या तीन सौ मिलियन है जो करीब दो सौ नौ मिलियन टन वार्षिक दूध देते हैं।

स्वच्छ दुग्ध उत्पादन पर ध्यान देने से होंगे मालामाल

डॉ. राय ने बताया कि स्वच्छ दुग्ध उत्पादन के लिए दूध दुहने वाले व्यक्ति को स्वस्थ व संक्रामक रोग मुक्त होना चाहिए। 21वें विश्व दुग्ध दिवस की थीम पर्यावरण, पोषण व सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण के साथ डेयरी क्षेत्र में स्थिरता पर केंद्रित है। अगर हम जरा सी सावधानी बरतें तो इस व्यवसाय से जुड़े लोग अधिक मुनाफा कमाएंगे।

हिन्दुस्थान समाचार
587k फॉलोवर्स

फॉलो

विश्व में 22 फीसद के साथ दुग्ध उत्पादन में प्रथम स्थान पर है भारत : डा. सी.के. राय

31 May 21 · 5:03 PM

- भारत के दूध की गुणवत्ता में कमी होने से विदेशी बाजारों में नहीं मिल पाता उचित दाम

कानपुर, 31 मई (हि.स.)। पूरे विश्व का भारत अकेले 22 फीसद दूध उत्पादन करता है और हमारे देश में तीन सौ मिलियन पशु संख्या के साथ लगभग 209 मिलियन टन वार्षिक दूध का उत्पादन होता है। इस प्रकार भारत दुग्ध उत्पादन में विश्व में प्रथम स्थान पर है। लेकिन हमारे देश में उत्पादित दूध की गुणवत्ता अन्य विकासशील देशों की तुलना में कम होने के कारण विदेशी बाजारों में हमारे देश में बने दुग्ध पदार्थों की कीमत कम लगाई जाती है। ऐसे में जरुरत है कि गुणवत्ता में बढ़ोत्तरी की जाए। यह बातें सोमवार को विश्व दुग्ध दिवस की पूर्व संध्या पर केवीके के पशुपालन वैज्ञानिक डा. सीके राय ने कही।

चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डा. डी.आर. सिंह के निर्देश पर विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर दलीप नगर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के पशुपालन वैज्ञानिक डॉक्टर सीके राय ने दुग्ध व्यवसाय से जुड़े सभी पशुपालकों को संदेश दिया है। कहा कि आज 21वें विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर जरुरी है कि स्वच्छ दुग्ध उत्पादन पर जुड़े बिंदुओं पर चर्चा की जाए। उन्होंने बताया कि इस वर्ष विश्व दुग्ध दिवस की थीम "पर्यावरण, पोषण और सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण के साथ-साथ डेयरी क्षेत्र में स्थिरता" पर केंद्रित है। उन्होंने बताया की स्वच्छ दुग्ध उत्पादन के लिए दूध दुहने वाला व्यक्ति स्वस्थ एवं संक्रामक रोग मुक्त होना चाहिए। साथ-साथ ही दूध दुहने के समय तंबाकू, सिगरेट, बीड़ी, पान इत्यादि का सेवन न किया जाए। उन्होंने बताया कि दूध दुहने के पहले पशुओं के थनों को पानी से साफ अच्छी प्रकार से कर ले, तथा दूध दुहते समय मक्खी, मच्छर दूध में न गिरने पाये एवं पशुओं को दूध दुहने के पहले ही चारा पानी पिला पिला दिया जाए। उन्होंने बताया कि साफ व स्वच्छ दूध उत्पादन के लिए कई कारक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जैसे कि साफ वातावरण, साफ पशुशाला, दुग्ध शाला, पशु स्वास्थ्य तथा उसकी साफ-सफाई दुग्ध उत्पादन में उपयोग होने वाले बर्तन तथा दूध धोने की विधि इत्यादि महत्वपूर्ण है।

पूर्ण आहार है दुग्ध

कुलपति ने अपने संदेश में कहा है कि स्वच्छ दुग्ध उत्पादन से ही दूध पीने वाला भी स्वस्थ रहेगा। डा. सिंह ने कहा कि दूध में प्रोटीन, कैल्शियम और राइबोफ्लेविन युक्त होता है। इसके अलावा इसमें विटामिन ए, डी,ई, और के सहित फॉस्फोरस, मैग्नीशियम, आयोडीन, व कई खनिज तथा ऊर्जा होती है। इसके अलावा इसमें एंजाइम्स भी होते हैं, इसीलिए दूध को पूर्ण आहार भी कहा जाता है। निदेशक प्रसार एवं समन्वयक डॉ एके सिंह ने बताया कि एक जून 2021 को 21वें विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के अधीन संचालित सभी 14 कृषि विज्ञान केंद्रों द्वारा ऑनलाइन कार्यशाला आयोजित की जाएगी। जिससे स्वच्छ दुग्ध उत्पादन के साथ ही पशुपालकों की आर्थिक सशक्तिकरण हो सके साथ ही पर्यावरण हितैषी हो।

हिन्दुस्थान समाचार/अजय

हिन्दी दैनिक
R.N.I.No-UPHIN/2012/42725
हिन्दुस्तान का इतिहास
कानपुर से प्रकाशित
44 ■ कानपुर, मंगलवार 1 जून 2021 - पृष्ठ: 8 - मूल्य: 1.00 रु.

स्वच्छ दुग्ध उत्पादन आज की आवश्यकता- डॉ0 सी0के0 राय

1 जून 2021 को 21वां विश्व दुग्ध दिवस विशेषांक

कानपुर- विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर दलीप नगर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के पशुपालन वैज्ञानिक डॉक्टर सी0के0 राय ने दुग्ध व्यवसाय से जुड़े सभी पशुपालकों को संदेश दिया है कि पूरे विश्व का भारत अकेले 22त्न दूध उत्पादन करता है। उन्होंने बताया कि हमारे देश में 300 मिलियन पशु संख्या के साथ लगभग 209 मिलियन टन वार्षिक दूध का उत्पादन करके हमारा देश विश्व में प्रथम स्थान पर है। उन्होंने बताया कि हमारे देश में उत्पादित दूध की गुणवत्ता अन्य विकासशील देशों की तुलना में कम होने के कारण विदेशी बाजारों में हमारे देश में बने दुग्ध पदार्थों की कीमत कम लगाई जाती है इसलिए आज 21वे विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर जरूरी है कि स्वच्छ दुग्ध उत्पादन पर जुड़े बिंदुओं पर चर्चा की जाए। उन्होंने बताया कि इस वर्ष विश्व दुग्ध दिवस की थीम 卐पर्यावरण, पोषण और सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण के साथ-साथ डेयरी क्षेत्र में स्थिरता卐 पर केंद्रित है उन्होंने बताया की स्वच्छ दुग्ध उत्पादन के लिए दूध दुहने वाला व्यक्ति स्वस्थ एवं संक्रामक रोग मुक्त होना चाहिए साथ साथ ही दूध दुहने के समय तंबाकू, सिगरेट, बीड़ी, पान इत्यादि का सेवन न किया जाए उन्होंने बताया कि दूध दुहने के पहले पशुओं के थनों को पानी से साफ अच्छी प्रकार से कर ले, तथा दूध दूहते समय मक्खी, मच्छर दूध में न गिरने पाये एवं पशुओं को दूध दूहने के पहले ही चारा पानी पिला पिला दिया जाए उन्होंने बताया कि साफ व स्वच्छ दूध उत्पादन के लिए कई कारक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं जैसे कि साफ वातावरण, साफ पशुशाला, दुग्धशाला, पशु स्वास्थ्य तथा उसकी साफ-सफाई दुग्ध उत्पादन में उपयोग होने वाले बर्तन तथा दूध धोने की विधि इत्यादि महत्वपूर्ण है 21 मई विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ डी आर सिंह ने अपने संदेश में कहा है कि स्वच्छ दुग्ध उत्पादन से ही दूध पीने वाला भी स्वस्थ रहेगा डॉ सिंह ने कहा कि दूध में प्रोटीन, कैल्शियम और राइबोफ्लेविन युक्त होता है इसके अलावा इसमें विटामिन एडीई और के सहित फॉस्फोरस, मैग्नीशियम, आयोडीन, व कई खनिज तथा ऊर्जा होती है इसके अलावा इसमें एंजाइम्स भी होते हैं इसीलिए दूध को पूर्ण आहार भी कहा जाता है निदेशक प्रसार एवं समन्वयक डॉ एके सिंह ने बताया कि 1 जून 2021 को 21वें विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के अधीन संचालित सभी 14 कृषि विज्ञान केंद्रों द्वारा ऑनलाइन कार्यशाला आयोजित की जाएगी जिससे स्वच्छ दुग्ध उत्पादन के साथ ही पशु पालकों की आर्थिक सशक्तिकरण हो सके साथ ही पर्यावरण हितैषी हो।

उत्तराखंड/उत्तर प्रदेश का प्रथम द्विभाषीय (हिन्दी-अंग्रेजी) सांध्य दैनिक समाचार पत्र

जनमत टुडे

RNI-NO-UTTBIL/2007/20700

वर्ष:12 | अंक:154 | देहरादून, सोमवार, 31 मई, 2021 | पृष्ठ:08 | मूल्य:2/रु. प्रति

3 लापरवाही: हाईवे टूटा, प्रशासन ने जानकारी देना जरूरी नहीं समझा

स्वच्छ दुग्ध उत्पादन आज की आवश्यकता: डॉ. सीके राय

दीपक गौड़ (जनमत टुडे)

कानपुर: विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर दलीप नगर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के पशुपालन वैज्ञानिक डॉक्टर सी०के० राय ने दुग्ध व्यवसाय से जुड़े सभी पशुपालकों को संदेश दिया है कि पूरे विश्व का भारत अकेले 22% दूध उत्पादन करता है।

उन्होंने बताया कि हमारे देश में 300 मिलियन पशु संख्या के साथ लगभग 209 मिलियन टन वार्षिक दूध का उत्पादन करके हमारा देश विश्व में प्रथम स्थान पर है। उन्होंने बताया कि हमारे देश में उत्पादित दूध की गुणवत्ता अन्य विकासशील देशों की तुलना में कम होने के कारण विदेशी बाजारों में हमारे देश में बने दुग्ध पदार्थों की कीमत कम लगाई जाती है इसलिए आज 21वें विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर जरूरी है कि स्वच्छ दुग्ध उत्पादन पर जुड़े बिंदुओं पर चर्चा की जाए। उन्होंने बताया कि इस वर्ष विश्व दुग्ध दिवस की थीम 'पर्यावरण, पोषण और सामाजिक–आर्थिक सशक्तिकरण के साथ–साथ डेयरी क्षेत्र में स्थिरता पर केंद्रित है उन्होंने बताया की स्वच्छ दुग्ध उत्पादन के लिए दूध दुहने वाला व्यक्ति स्वस्थ एवं संक्रामक रोग मुक्त होना चाहिए साथ साथ ही दूध दुहने के समय तंबाकू, सिगरेट, बीड़ी, पान इत्यादि का सेवन न किया जाए उन्होंने बताया कि दूध दुहने के पहले पशुओं के थनों को पानी से साफ अच्छी प्रकार से कर लें, तथा दूध दुहते समय मक्खी, मच्छर दूध में न गिरने पाये एवं पशुओं को दूध दुहने के पहले ही चारा पानी पिला पिला दिया जाए उन्होंने बताया कि साफ व स्वच्छ दूध उत्पादन के लिए कई कारक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं जैसे कि साफ वातावरण, साफ पशुशाला, दुग्धशाला, पशु स्वास्थ्य तथा उसकी साफ–सफाई दुग्ध उत्पादन में उपयोग होने वाले बर्तन तथा दूध धोने की विधि इत्यादि महत्वपूर्ण है 21 मई विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ डी आर सिंह ने अपने संदेश में कहा है कि स्वच्छ दुग्ध उत्पादन से ही दूध पीने वाला भी स्वस्थ रहेगा डॉ सिंह ने कहा कि दूध में प्रोटीन, कैल्शियम और राइबोफ्लेविन युक्त होता है इसके अलावा इसमें विटामिन एडीई और के सहित फॉस्फोरस, मैग्नीशियम, आयोडीन, व कई खनिज तथा ऊर्जा होती है इसके अलावा इसमें एंजाइम्स भी होते हैं इसीलिए दूध को पूर्ण आहार भी कहा जाता है निदेशक प्रसार एवं समन्वयक डॉ एके सिंह ने बताया कि 1 जून 2021 को 21वें विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के अधीन संचालित सभी 14 कृषि विज्ञान केंद्रों द्वारा ऑनलाइन कार्यशाला आयोजित की जाएगी जिससे स्वच्छ दुग्ध उत्पादन के साथ ही पशु पालकों की आर्थिक सशक्तिकरण हो सके साथ ही पर्यावरण हितैषी हो।

01 june_jan express.pdf - Read-only

जन एक्सप्रेस

janexpresslive

लखनऊ, मंगलवार, 01 जून, 2021, वर्ष : 12, अंक : 227, पृष्ठ : 12, मूल्य ₹ 3.00/-

लखनऊ तथा देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक | www.janexpresslive.com/epaper

शुभम यादव आदि लोग मौजूद रहे।

विश्व में 22 फीसद के साथ दुग्ध उत्पादन में प्रथम स्थान पर है भारत : डा. सी.के. राय

भारत के दूध की गुणवत्ता में कमी होने से विदेशी बाजारों में नहीं मिल पाता उचित दाम

हिन्दुस्थान समाचार एजेंसी

कानपुर नगर। पूरे विश्व का भारत अकेले 22 फीसद दूध उत्पादन करता है और हमारे देश में तीन सौ मिलियन पशु संख्या के साथ लगभग 209 मिलियन टन वार्षिक दूध का उत्पादन होता है। इस प्रकार भारत दुग्ध उत्पादन में विश्व में प्रथम स्थान पर है। लेकिन हमारे देश में उत्पादित दूध की गुणवत्ता अन्य विकासशील देशों की तुलना में कम होने के कारण विदेशी बाजारों में हमारे देश में बने दुग्ध पदार्थों की कीमत कम लगाई जाती है। ऐसे में जरूरत है कि गुणवत्ता में बढ़ोत्तरी की जाए। यह बातें सोमवार को विश्व दुग्ध दिवस की पूर्व संध्या पर सीएसए के पशुपालन वैज्ञानिक डा. सीके राय ने कही।

चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डा. डी.आर. सिंह के निर्देश पर विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर दलीप नगर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के पशुपालन वैज्ञानिक डॉक्टर सीके राय ने दुग्ध व्यवसाय से जुड़े सभी पशुपालकों को संदेश दिया है। कहा कि आज 21वें विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर जरूरी है कि स्वच्छ दुग्ध उत्पादन पर जुड़े बिंदुओं पर चर्चा की जाए। उन्होंने बताया कि इस वर्ष विश्व दुग्ध दिवस की थीम 'पर्यावरण, पोषण और सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण के साथ-साथ डेयरी क्षेत्र में स्थिरता' पर केंद्रित है। उन्होंने बताया की स्वच्छ दुग्ध उत्पादन के लिए दूध दुहने वाला व्यक्ति स्वस्थ एवं संक्रामक रोग मुक्त होना चाहिए। साथ-साथ ही दूध दुहने के समय तंबाकू, सिगरेट, बीड़ी, पान इत्यादि का सेवन न किया जाए। उन्होंने बताया कि दूध दुहने के पहले पशुओं के थनों को पानी से साफ अच्छी प्रकार से कर लें, तथा दूध दुहते समय मक्खी, मच्छर दूध में न गिरने पाये एवं पशुओं को दूध दुहने के पहले ही चारा पानी पिला खिला दिया जाए। उन्होंने बताया कि साफ व स्वच्छ दूध उत्पादन के लिए कई कारक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जैसे कि साफ वातावरण, साफ पशुशाला, दुग्ध शाला, पशु स्वास्थ्य तथा उसकी साफ-सफाई दुग्ध उत्पादन में उपयोग होने वाले बर्तन तथा दूध धोने की विधि इत्यादि महत्वपूर्ण है।

पूर्ण आहार है दुग्ध

कुलपति ने अपने संदेश में कहा है कि स्वच्छ दुग्ध उत्पादन से ही दूध पीने वाला भी स्वस्थ रहेगा। डा. सिंह ने कहा कि दूध में प्रोटीन, कैल्शियम और राइबोफ्लेविन युक्त होता है। इसके अलावा इसमें विटामिन ए, डी,ई, और के सहित फॉस्फोरस, मैग्नीशियम, आयोडीन, व कई खनिज तथा ऊर्जा होती है। इसके अलावा इसमें एंजाइम्स भी होते है, इसीलिए दूध को पूर्ण आहार भी कहा जाता है। निदेशक प्रसार एवं सह-निदेशक डॉ एके सिंह ने बताया कि एक जून 2021 को 21वें विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के अधीन संचालित सभी 14 कृषि विज्ञान केंद्रों द्वारा ऑनलाइन कार्यशाला आयोजित की जाएगी। जिससे स्वच्छ दुग्ध उत्पादन के साथ ही पशुपालकों की आर्थिक सशक्तिकरण हो सके साथ ही पर्यावरण हितैषी हो।

21वें विश्व दुग्ध दिवस पर विवि में आज होगी ऑनलाइन कार्यशाला

कानपुर। सीएसए के कुलपति के निर्देश के क्रम में विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर दलीप नगर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के पशुपालन वैज्ञानिक डॉ. सीके राय ने दुग्ध व्यवसाय से जुड़े सभी पशुपालकों को संदेश दिया है। कि पूरे विश्व का भारत अकेले 22ब दूध उत्पादन करता है। उन्होंने बताया कि हमारे देश में 300 मिलियन पशु संख्या के साथ लगभग 209 मिलियन टन वार्षिक दूध का उत्पादन करके हमारा देश विश्व में प्रथम स्थान पर है। उन्होंने बताया कि हमारे देश में उत्पादित दूध की गुणवत्ता अन्य विकासशील देशों की तुलना में कम होने के कारण विदेशी बाजारों में हमारे देश में बने दुग्ध पदार्थों की कीमत कम लगाई जाती है। इसलिए आज 21वें विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर जरूरी है कि स्वच्छ दुग्ध उत्पादन पर जुड़े बिंदुओं पर चर्चा की जाए। उन्होंने बताया कि इस वर्ष विश्व दुग्ध दिवस की थीम 卐पर्यावरण, पोषण और सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण के साथ-साथ डेयरी क्षेत्र में स्थिरता卐 पर केंद्रित है। उन्होंने बताया की स्वच्छ दुग्ध उत्पादन के लिए दूध दुहने वाला व्यक्ति स्वस्थ एवं संक्रामक रोग मुक्त होना चाहिए। साथ साथ ही दूध दुहने के समय तंबाकू, सिगरेट, बीड़ी, पान इत्यादि का सेवन न किया जाए। उन्होंने बताया कि दूध दुहने के पहले पशुओं के थनों को पानी से साफ अच्छी प्रकार से कर ले, तथा दूध दुहते समय मक्खी, मच्छर दूध में न गिरने पाये एवं पशुओं को दूध दुहने के पहले ही चारा पानी पिला पिला दिया जाए। उन्होंने बताया कि साफ व स्वच्छ दूध उत्पादन के लिए कई कारक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जैसे कि साफ वातावरण, साफ पशुशाला,दुग्ध शाला, पशु स्वास्थ्य तथा उसकी साफ-सफाई दुग्ध उत्पादन में उपयोग होने वाले बर्तन तथा दूध धोने की विधि इत्यादि महत्वपूर्ण है। 21 मई विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ डी आर सिंह ने अपने संदेश में कहा है कि स्वच्छ दुग्ध उत्पादन से ही दूध पीने वाला भी स्वस्थ रहेगा।डॉ सिंह ने कहा कि दूध में प्रोटीन,कैल्शियम और राइबोफ्लेविन युक्त होता है इसके अलावा इसमें विटामिन ए, डी,ई, और के सहित फॉस्फोरस मैग्नीशियम आयोडीन, व कई खनिज तथा ऊर्जा होती है।इसके अलावा इसमें एंजाइम्स भी होते हैं इसीलिए दूध को पूर्ण आहार भी कहा जाता है।निदेशक प्रसार एवं समन्वयक डॉ एके सिंह ने बताया कि 1 जून को 21वें विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के अधीन संचालित सभी 14 कृषि विज्ञान केंद्रों द्वारा ऑनलाइन कार्यशाला आयोजित की जाएगी। जिससे स्वच्छ दुग्ध उत्पादन के साथ ही पशु पालकों की आर्थिक सशक्तिकरण हो सके साथ ही पर्यावरण हितैषी हो।

R.N.I. NO UPHIN@ 2013/53179

कानपुर नगर कानपुर देहात उन्नाव हमीरपुर कन्नौज इटावा अई जालौन लखनऊ आगरा मथुरा औरैया इलाहाबाद से एक साथ प्रसारित

वर्ष - 8
अंक - 196
कानपुर
मंगलवार 1
जून 2021
पृष्ठ - 4
मूल्य 1:00

2 गज की दूरी, मास्क है जरूरी

सोशल रिपोर्टर

हिन्दी दैनिक

1 जून 2021 को 21वां विश्व दुग्ध दिवस विशेषांक

स्वच्छ दुग्ध उत्पादन आज की आवश्यकता- डॉक्टर सी.के. राय

सत्य प्रकाश

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर डी.आर. सिंह के निर्देश के क्रम में विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर दलीप नगर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के पशुपालन वैज्ञानिक डॉक्टर सीके राय ने दुग्ध व्यवसाय से जुड़े सभी पशुपालकों को संदेश दिया है। कि पूरे विश्व का भारत अकेले 22त्न दूध उत्पादन करता है। उन्होंने बताया कि हमारे देश में 300 मिलियन पशु संख्या के साथ लगभग 209 मिलियन टन वार्षिक दूध का उत्पादन करके हमारा देश विश्व में प्रथम स्थान पर है। उन्होंने बताया कि हमारे देश में उत्पादित दूध की गुणवत्ता अन्य विकासशील देशों की तुलना में कम होने के कारण विदेशी बाजारों में हमारे देश में बने दुग्ध पदार्थों की कीमत कम लगाई जाती है। इसलिए आज 21वे विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर जरूरी है कि स्वच्छ दुग्ध उत्पादन पर जुड़े बिंदुओं पर चर्चा की जाए। उन्होंने बताया कि इस वर्ष विश्व दुग्ध दिवस की थीम 卐पर्यावरण, पोषण और सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण के साथ-साथ डेयरी क्षेत्र में स्थिरता卐 पर केंद्रित है। उन्होंने बताया की स्वच्छ दुग्ध उत्पादन के लिए दूध दुहने वाला व्यक्ति स्वस्थ एवं संक्रामक रोग मुक्त होना चाहिए। साथ साथ ही दूध दुहने के समय तंबाकू, सिगरेट, बीड़ी, पान इत्यादि का सेवन न किया जाए। उन्होंने बताया कि दूध दुहने के पहले पशुओं के थनों को पानी से साफ अच्छी प्रकार से कर ले, तथा दूध दूहते समय मक्खी, मच्छर दूध में न गिरने पाये एवं पशुओं को दूध दूहने के पहले ही चारा पानी पिला पिला दिया जाए। उन्होंने बताया कि साफ व स्वच्छ दूध उत्पादन के लिए कई कारक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जैसे कि साफ वातावरण, साफ पशुशाला,दुग्ध शाला, पशु स्वास्थ्य तथा उसकी साफ-सफाई दुग्ध उत्पादन में उपयोग होने वाले बर्तन तथा दूध धोने की विधि इत्यादि महत्वपूर्ण है। 21 मई विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ डी आर सिंह ने अपने संदेश में कहा है कि स्वच्छ दुग्ध उत्पादन से ही दूध पीने वाला भी स्वस्थ रहेगा। डॉ सिंह ने कहा कि दूध में प्रोटीन,कैल्शियम और राइबोफ्लेविन युक्त होता है इसके अलावा इसमें विटामिन ए, डी,ई, और के सहित फॉस्फोरस,मैग्नीशियम, आयोडीन, व कई खनिज तथा ऊर्जा होती है।इसके अलावा इसमें एंजाइम्स भी होते हैं इसीलिए दूध को पूर्ण आहार भी कहा जाता है।निदेशक प्रसार एवं समन्वयक डॉ एके सिंह ने बताया कि 1 जून 2021 को 21वें विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के अधीन संचालित सभी 14 कृषि विज्ञान केंद्रों द्वारा ऑनलाइन कार्यशाला आयोजित की जाएगी। जिससे स्वच्छ दुग्ध उत्पादन के साथ ही पशु पालकों की आर्थिक सशक्तिकरण हो सके साथ ही पर्यावरण हितैषी हो।